संख्या-116/2016/817/22-2-2016-17(203)/2016

प्रेषक,

सत्येन्द्र कुमार सिंह,

विशेष सचिव

उत्तर प्रदेश, शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,

कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,

उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ: दिनांक 11 अगस्त 2016***

विषय:- जिला कारागार, उन्नाव में निरूद्ध बन्दी विजय शंकर पुत्र श्री सुखलाल निवासी जनपद-उन्नाव की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-3284/पर-7/(एम-20-01-2016) दिनांक-03-02-2016 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जिला कारागार, उन्नाव में निरूद्ध बन्दी विजय शंकर पुत्र श्री सुखलाल निवासी ग्राम बौनामऊ, थाना-माखी, जनपद-उन्नाव का रहने वाला है। पैसे के लेनदेन को लेकर हुये गाली गलौज व मारपीट से नाराज होकर बन्दी ने 01 सहअभियुक्त के साथ मिलकर दिनांक 23-08-2008 को रात्रि 09:00 बजे अपने सगे भाई को लाठी डण्डा व छुरी से घायल किया। जिसकी इलाज के दौरान प्रात: 24-08-2008 को उसकी मृत्यु हो गई। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-110/2009 के अन्तर्गत भा0द0वि0 की धारा-304 भाग-1 के अन्तर्गत मा0 अपर जिला न्यायाधीश, कोर्ट नं0-5, उन्नाव द्वारा दिनांक 29-09-2010 को 10 वर्ष के कठोर कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 14.09.2015 तक 07 वर्ष 00 माह 16 दिन की अपरिहार तथा 08 वर्ष 03 माह 12 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी का जेल आचरण सन्तोषजनक है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक अपनी आख्या में अंकित किया है कि बन्दी द्वारा किया गया अपराध जघन्य श्रेणी में आता है जिससे समाज व्यापक रूप से भयाक्रान्त है, जमीनी विवाद में अपने सगे भाई की हत्या की है, पुन: अपराध करने में अशक्त नहीं हुआ है तथा बन्दी को समयपूर्व रिहाई उपयुक्त न होने के दृष्टिगत संस्तुति नहीं की है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक की आख्या के दृष्टिगत जिला मजिस्ट्रेट, उन्नाव ने बन्दी की समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति नहीं की है। प्रोबेशन बोर्ड ने अपनी आख्या में अंकित किया है कि पैसे के लेनदेन को लेकर हुये गाली गलौज व मारपीट से नाराज होकर बन्दी ने 01 सहअभियुक्त के साथ मिलकर दिनांक 23-08-2008 को रात्रि 09:00 बजे अपने सगे भाई को लाठी डण्डा व छुरी से घायल किया। जिसकी इलाज के दौरान प्रात: 24-08-2008 को उसकी मृत्यु हो गई। बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गंभीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

मजिस्ट्रेट, उन्नाव द्वारा किए गये विरोध के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी विजय शंकर पुत्र श्री सुखलाल, निवासी जनपद-उन्नाव को प्रोबेशन पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपरोक्त् वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी विजय शंकर (बन्दी संख्या-906/10) पुत्र श्री सुखलाल, निवासी जनपद-उन्नाव के फार्म-ए पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति शासन द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतद्द्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,

(सत्येन्द्र कुमार सिंह)
विशेष सचिव।

संख्या-116/2016/817(1)/22-2-2016 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, जनपद-उन्नाव ।

2- अधीक्षक, जिला कारागार, उन्नाव।

3- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(सत्येन्द्र कुमार सिंह)
विशेष सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश सख्ंया-116/2016/817/22-2-2016-17(203)/2016

दिनांक 11 अगस्त, 2016 का संलग्नक

<u>सरकार के आदेश</u>

जिला कारागार, उन्नाव में निरूद्ध विजय शंकर (बन्दी संख्या-906/10) पुत्र श्री सुखलाल, निवासी बौनामऊ, थाना-माखी, जनपद-उन्नाव का रहने वाला है। पैसे के लेनदेन को लेकर हुये गाली गलौज व मारपीट से नाराज होकर बन्दी ने 01 सहअभियुक्त के साथ मिलकर दिनांक 23-08-2008 को रात्रि 09:00 बजे अपने सगे भाई को लाठी डण्डा व छुरी से घायल किया। जिसकी इलाज के दौरान प्रात: 24-08-2008 को उसकी मृत्यु हो गई। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-110/2009 के अन्तर्गत भा0द0वि0 की धारा-304 भाग-1 के अन्तर्गत मा0 अपर जिला न्यायाधीश, कोर्ट नं0-5, उन्नाव द्वारा दिनांक 29-09-2010 को 10 वर्ष के कठोर कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 14.09.2015 तक 07 वर्ष 00 माह 16 दिन की अपरिहार तथा 08 वर्ष 03 माह 12 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी का जेल आचरण सन्तोषजनक है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक अपनी आख्या में अंकित किया है कि बन्दी द्वारा किया गया अपराध जघन्य श्रेणी में आता है जिससे समाज व्यापक रूप से भयाक्रान्त है, जमीनी विवाद में अपने सगे भाई की हत्या की है, पुन: अपराध करने में अशक्त नहीं हुआ है तथा बन्दी को समयपूर्व रिहाई उपयुक्त न होने के दृष्टिगत संस्तुति नहीं की है। जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक की आख्या के दृष्टिगत जिला मजिस्ट्रेट, उन्नाव ने बन्दी की समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति नहीं की है। प्रोबेशन बोर्ड ने अपनी आख्या में अंकित किया है कि पैसे के लेनदेन को लेकर हुये गाली गलौज व मारपीट से नाराज होकर बन्दी ने 01 सहअभियुक्त के साथ मिलकर दिनांक 23-08-2008 को रात्रि 09:00 बजे अपने सगे भाई को लाठी डण्डा व छुरी से घायल किया। जिसकी इलाज के दौरान प्रात: 24-08-2008 को उसकी मृत्यु हो गई। बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गंभीरता एवं जघन्यता, जिला प्रोबेशन अधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, उन्नाव द्वारा किए गये विरोध के दृष्टिगत यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बन्दी विजय शंकर पुत्र श्री सुखलाल, निवासी जनपद-उन्नाव को प्रोबेशन पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है। उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त शासन द्वारा बन्दी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई **अस्वीकार** किये जाने का निर्णय लिया गया है।

(सत्येन्द कुमार सिंह)
विशेष सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in